



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

24 आश्विन, 1941 (श०)

संख्या- 812 राँची, बुधवार, 16 अक्टूबर, 2019 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग।

संकल्प

9 अक्टूबर, 2019

विषय : “सुमंडल/मंडल” जाति को राज्य के अत्यन्त पिछड़े वर्गों की सूची (अनुसूची-1) के क्रमांक-122 पर “सूढ़ी” जाति के प्रकोष्ठ में शामिल करने के संबंध में।

संचिका सं०-14/जा०नि०-03-08/2015 का.- 8137-- झारखण्ड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों एवं पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम, 2001 की धारा-2 में अत्यन्त पिछड़े वर्गों एवं पिछड़े वर्गों को परिभाषित किया गया है तथा इसमें सम्मिलित वर्ग को इस अधिनियम की अनुसूची-1 एवं अनुसूची- 2 में क्रमशः विनिर्दिष्ट किया गया है।

2. उक्त अधिनियम की धारा-14 (अ) में अनुसूची-1 एवं अनुसूची- 2 में उल्लिखित किसी जाति/वर्ग को जोड़ने या हटाने की शक्ति राज्य सरकार को प्रदत्त है।

3. पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग द्वारा राज्य सरकार को दी गई सलाह/परामर्श कि “सुमंडल एवं मंडल जाति को झारखण्ड राज्य के अत्यन्त पिछड़े वर्गों की सूची (अनुसूची-1) के क्रमांक-122 पर दर्ज सुढ़ी जाति के प्रकोष्ठ में शौन्डीक के बाद सुमंडल/मंडल दर्ज किया जाय” के आलोक में सम्यक विचारोपरान्त राज्य सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि राज्य के

“सुमंडल/मंडल” जाति को राज्य के अत्यन्त पिछड़े वर्गों की सूची (अनुसूची-1) के क्रमांक-122 पर दर्ज “सूढ़ी (सूड़ी, सूंडी/सूंडी चासा /शुन्डीक वैश/शौन्डीक)” के साथ कोष्टक में निम्नवत सम्मिलित किया जाय:-

परिवर्द्धित स्वरूप निम्न प्रकार है:-

| क्रमांक | वर्तमान प्रविष्टि | संशोधित प्रविष्टि |
|---------|--|--|
| 122 | सूढ़ी (सूड़ी, सूंडी/सूंडी चासा /शुन्डीक वैश/शौन्डीक) | सूढ़ी (सूड़ी,सूंडी/सूंडी चासा/शुन्डीक वैश/शौन्डीक/सुमंडल/मंडल) |

आदेश: आदेश दिया जाता है कि राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के आलोक में झारखण्ड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम, 2001 की अनुसूची-1 का सुसंगत अंश इस हद तक संशोधित माना जायेगा।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

चन्द्र भूषण प्रसाद,
सरकार के उप सचिव।
